सशक्त भारत

सूर्या फाउण्डेशन मासिक पत्रिका

सितम्बर, 2023
वर्ष : 20
अंक : 10
₹ 3 प्रति

मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार

suryaadarshgaonyojana
suryafoundation1
@suryafnd
surya_foundation
suryafoundation

चवन्नी

सफलता की कहानी...

सुरेंद्र कश्यप जी ग्राम फफूण्डा जिला मेरठ-उत्तर प्रदेश के निवासी हैं आटो चलाकर अपने परिवार का गुजारा करते थे। कुछ दिन के बाद उनका हाथ टूट गया तो अब परिवार में कमाई का कोई साधन ही नहीं रहा और पैसे की आवश्यकता निरंतर बढ़ती रही किसी दोस्त ने कहा कि गाय के गोबर की छोटी उपले बनाना शुरू करो और बेचो तो अच्छा चलेगा। शुरूआती साल में काफी दिक्कते आयी फिर भी हिम्मत बनी रही कि एक दिन मेरा यह रोजगार जरूर उन्नति करेगा। कई बार कुछ लोग मुझे बोलते कि तुम आराम से नियमित 300-400 रुपये कमाकर परिवार चला सकते हो पर इसी काम में क्यों लगे हो तो मैं बोला करता कि इसमें मेरी चवन्नी गिर गई है उसे खोजने में लगा हूँ और हँसकर टाल दिया और निरन्तर अपने कार्य को समय देता रहा। सैंपल को दिल्ली तक पहुँचाया तो काफी मांग बढ़ी। मुझे इस सफलता के मुकाम तक पहुँचाने में सूर्या फाउण्डेशन का मुख्य योगदान है क्योंकि उन्होंने मुझे सूर्या साधना स्थली में गौ उत्पाद की ट्रेनिंग दिया और 6 राज्यों से आये लोगों के बीच हमारे कार्य को देखकर मुझे पुरस्कृत एवं सम्मानित किया तो मुझे और बल मिला। अब दिल्ली से आर्डर मिलने लगा मांग बढ़ती गई। आज ईश्वर की कृपा और गौ माता के आशीर्वाद से आर्डर की भरपाई नहीं हो पा रही है मेरी पत्नी बोली कि अब कैसे इनकी पूर्ति करोगे तो मैंने बोला कि आप 4-5 समूह की महिलाओं को काम दो। एक समय वह था जब हम 2-3 हजार की नौकरी की तलाश में दर-दर भटक रहे थे आज हम बहुत खुश हैं कि आज मैं और मेरी पत्नी 5-6 महिलाओं को काम दे रहे हैं।

नयागाँव, झज्जर (हरियाणा)

स्ट्रीट लाईट वितरण

नयागाँव, हरियाणा में फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर 100 परिवारों में 5-5 फलदार पौधे वितरित किये गये। साथ ही सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव के लिए 10 स्ट्रीट लाइटें व मंदिर में पूजा पाठ के लिए हवन कुण्ड भी ग्राम सरपंच जी को भेंट किया गया। इस कार्यक्रम में आ. वेद जी (वाइस चेयरमैन) श्री संजय जी (सीसीओ प्लांट), तथा श्री प्रमोद आसरे जी (आदर्श गाँव योजना- प्रमुख) उपस्थित रहे।

पौधे वितरण

हवन कुण्ड भेंट

वृक्षारोपण महाभियान

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत देशभर के 18 राज्यों में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। 310 गाँवों में 500 पर्यावरण मित्रों द्वारा इस अभियान को सफल बनाया गया। जिसमें एक गाँव के कम से कम 100 परिवारों में 5-5 फलदार पौधे लगवाये गये। पौधों की सुरक्षा हेतु फाउण्डेशन द्वारा प्रत्येक परिवार को संकल्प पत्र दिया गया। 500 पर्यावरण मित्रों द्वारा भी अपने-अपने घरों में फलदार पौधे लगाये गये साथ ही रक्षासूत्र बांधकर पौधे की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी ली गई।

आने वाली पीढ़ी वृक्षारोपण के प्रति जागरूक हो, लगे हुए पौधों का संरक्षण हो, आज के युवा भी भारत को हराभरा बनाने के लिए आगे आयें इसके लिए फाउण्डेशन द्वारा चलाये जा रहे प्रकल्पों द्वारा जुड़े बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों एवं महिलाओं द्वारा जन-जागरूकता रैली, चित्रकला, गोष्ठी, संकल्प आदि कराये गये। गाँव के सभी लोगों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा इस वर्ष 31000 परिवारों में लगभग 1.55 लाख फलदार पौधे लगवाये गये। प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में भी स्थान मिला।

जल संरक्षण अभियान

जागरूकता रैली : सूर्या संस्कार केन्द्र और यूथ क्लब के द्वारा गाँव-गाँव में जागरुकता रैली।

जल संरक्षण संगोष्ठी : जल संरक्षण जागरुकता हेतु गाँवों में ग्रामवासियों के सहयोग से गोष्ठियाँ।

संकल्प : सूर्या यूथ क्लब के युवाओं, सेवाभावियों एवं माताओं-बहनों को जल संरक्षण हेतु संकल्प।

चित्रकला प्रतियोगिता : जल संरक्षण के प्रति बच्चों में जागरुकता आये, इसके लिए संस्कार केंद्र के बच्चों की जल संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता।

घर घर संपर्क : घर-घर जाकर जल संरक्षण के प्रति जागरुकता लाने के लिए संपर्क करके, कैसे जल बचा सकते हैं, इसके बारे में जानकारी दी गयी।

सम्मान : जल संरक्षण के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले लोगों को फाउण्डेशन द्वारा सम्मान।

10 तालाब की खुदाई व गहरीकरण।
01 एनिकट बाँध व जलाशय।
11 खेतों में मेडबंदी का कार्य।
03 सोख्ता गड्ढे का निर्माण।
06 खेतों में डबरी/गड्ढों का निर्माण।
27 छत का पानी संग्रह हेतु वाटर टैंक।
04 वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम।

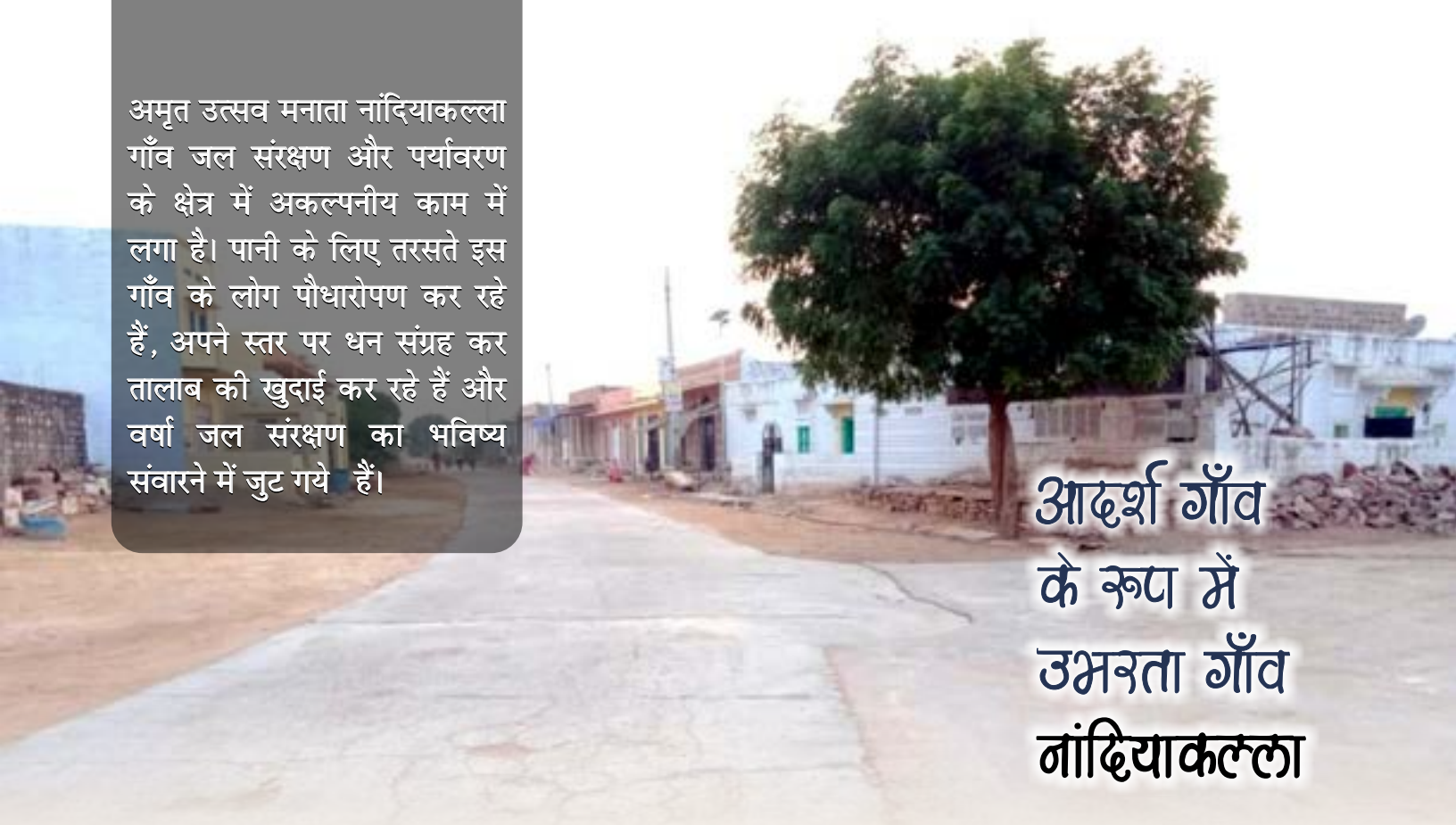

अमृत उत्सव मनाता नांदियाकल्ला गाँव जल संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्र में अकल्पनीय काम में लगा है। पानी के लिए तरसते इस गाँव के लोग पौधारोपण कर रहे हैं, अपने स्तर पर धन संग्रह कर तालाब की खुदाई कर रहे हैं और वर्षा जल संरक्षण का भविष्य संवारने में जुट गये हैं।

आदर्श गाँव के रूप में उभरता गाँव नांदियाकल्ला

राजस्थान के जोधपुर जिले में स्थित नांदियाकल्ला गाँव जो जल संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उभर रहा है। यह गाँव स्थानीय समृद्धि के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति समर्पित है। वर्षों से पानी की बचत के उपायों का प्रयास के अंतर्गत पुराने तालबों का गहरीकरण एवं नए तालाबों का निर्माण किया गया जिसमें न केवल पानी की बचत हो रही है, बल्कि यह गाँव को बाढ़ और सूखे के खतरों से भी बचा रहा है। इसके साथ ही नांदियाकल्ला गाँव वृक्षारोपण की महत्वपूर्ण भूमिका भी निभा रहा है। गाँव के प्रत्येक नागरिक के लिए वृक्ष लगाने का प्रोत्साहन दिया जाता है और उन्हें वृक्षारोपण के लाभों के प्रति जागरूक किया जाता है। वृक्षारोपण के माध्यम से ग्राम वासियों ने पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में अपना पूरा सहयोग किया है। नांदियाकल्ला गाँव का यह प्रयास सिर्फ गाँव के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आस-पास के क्षेत्रों में भी प्रेरणास्रोत बन चुका है।

स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आत्मनिर्भर हो रही महिलाएँ...

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित महिला स्वयं सहायता समूहों ने स्थानीय उत्पादों की पहचान को बढ़ावा देने के लिए पिछले कई महीने से स्टॉल लगाने का कार्य शुरू किया है। स्टॉल में विभिन्न प्रकार के स्थानीय उत्पाद जैसे कि खाद्य सामग्री, वस्त्र सामग्री, गौ उत्पाद सामग्री, हस्तशिल्प सामग्री आदि बेंचे जाते हैं। ये स्थान स्थानीय उत्पादकों के लिए नए बाजार और ग्राहकों के लिए एक विशिष्ट खरीदारी स्थल की भूमिका निभाता है। यहाँ पर महिलाएँ अपने उत्पादों को प्रमोट करती हैं और स्थानीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। इसके साथ ही साथ उन्हें बढ़ते प्रतिस्पर्धा के चलते बाजार में उत्तरदायित्व सहित नई दिशाओं में सोचने का अवसर मिलता है। इस कार्य से जुड़कर महिलाएँ आत्मनिर्भर बन रही हैं।

हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण

मालनपुर, (म.प्र.)

ग्रामीण महिलाएँ स्वावलंबी बने इस उद्देश्य से मध्य प्रदेश में भिण्ड जिले के सिंगवारी और हरिराम का पूरा गाँव में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा 6 दिवसीय हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। प्रशिक्षिका पूनम तिवारी द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को राखी और खिलौने बनाना सिखाया गया। यह प्रशिक्षण निश्चय ही महिलाओं के स्वावलंबन में सहायक सिद्ध होगा। इस प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूह की 50 महिलाओं ने भाग लिया।

सशक्त भारत के प्रकाशक, मुद्रक-ब्रिग्रेडियर डी.सी. पंत (सेवानिवृत्त) द्वारा सूर्या फाउण्डेशन के लिए बी-3/330, पश्चिम विहार, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं एक्सपो प्रिंट एवं मीडिया ज्वालाहेड़ी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063, से मुद्रित
सम्पादक : प्रमोद कुमार आसरे

Licence No. DL(W) 10/2109/2021-23
R.N.I. No. DELHIN/2003/09359
U Licence : U(W)-092021-23
Date of Publication : 04 Oct, 2023
Date of Postage : 7-8 Oct, 2023
Place of Posting : NIE Post Office

समाचार पत्रों में कार्यक्रम की झलकियाँ...

सूर्या फाउंडेशन ने चलाया पौधा वितरण कार्यक्रम

ग्रामीणों को पौधे वितरण करते फाउंडेशन सदस्य। (प्रवीण)

बहादुरगढ़, 2 अगस्त (प्रवीण): सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव के अंतर्गत नया गांव में पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजन किया गया।

इसमें मुख्यातिथि के रूप में सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन वेद, संजय, नया गांव सरपंच रोहताश सैनी व सुरेश द्वारा 100 परिवारों को 5-5 फलदार पौधे वितरित किए गए।

फाउंडेशन वाइस चेयरमैन वेद ने कहा जैसे हम अपने बच्चों का पालन पोषण करते हैं, ठीक उसी प्रकार हमें अपने जीवन में पौधों का पालन पोषण करना चाहिए है। ताकि पौधे पेड़ का रूप ले सके। उन्होंने बताया कि कई बार देखने में आया है कि हम पौधों को रोपित कर देते हैं, मगर उनकी देखभाल करना भूल जाते हैं।

जिससे पौधा कुछ ही दिनों में सूख जाता है। ऐसा बिल्कुल भी न करें। पौधा रोपण के साथ हमें उसकी देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए। वृक्षारोपण बुनियादी लक्ष्यों में से एक है। पेड़-पौधे न सिर्फ हमें ऑक्सीजन देते हैं बल्कि फल, लकड़ी, फर्नीचर, रबर आदि और भी बहुत कुछ प्रदान करते हैं।

पेड़ पशुओं और पक्षियों के लिए आवास का काम करते हैं। वहीं सूर्या फाउंडेशन के द्वारा एक फलदार वाटिका भी तैयार की गई। सूर्या फाउंडेशन द्वारा गांव में 10 स्ट्रीट लाइट व शिव मंदिर के लिए हवन कुंड दिया गया।

इस मौके पर हरियाणा के प्रांत प्रमुख भंवर सिंह स्वरोजगार प्रमुख विकास, देव नारायण पांडे, कमल कुमार, शिक्षक जतिन, ग्राम संगठन की अध्यक्ष प्रेमलता, रेखा आदि लोग उपस्थित रहे।

हस्तशिल्प प्रशिक्षण से महिलाओं को बना रहे स्वावलंबी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत भिंड जिले के महाराजपुर क्षेत्र ग्राम सिरसाली और हरिदास का पुरा गांव में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए दस दिवसीय हस्तशिल्प प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। मध्य प्रदेश क्षेत्र प्रमुख अशोक जी ने बताया कि इसी योजना के अंतर्गत संस्था का एक मुख्य आयाम महिलाओं के स्वयं सहायता समूह गठन और उनको स्वरोजगार से जोड़कर स्वावलम्बी बनाना है। सूर्या फाउंडेशन देशभर में महिलाओं को हस्तशिल्प, गौ उत्पाद, फूड प्रोसेसिंग आदि प्रशिक्षण देती है। इसी आयाम के अंतर्गत प्रशिक्षिका पुष्पा तिवारी महिलाओं को राखी एवं खिलौने आदि बनाने का प्रशिक्षण दे रही है। प्रशिक्षण का उद्देश्य समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। इस प्रशिक्षण में समूह की 50 महिलाएं भाग ले रही है।

पर्यावरण संरक्षण हम सबका दायित्व: वेद

नवज्योति/सोयला। सूर्या फाउंडेशन द्वारा पौधरोपण महाअभियान के तहत नंदिया कलां में फल वाटिका का उद्घाटन तथा पौध वितरण कार्यक्रम में वेद वाईस चेयरमैन सूर्या फाउंडेशन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की मूलभूत व्यवस्था है तथा पौधे लगाने के साथ ही उसका संरक्षण करें। वहीं, सूर्या फाउंडेशन ने गांव में फल वाटिका के लिए 100000 का सहयोग किया। इसके संरक्षण का दायित्व श्री गोपाल गोसाई गौशाला तथा गोसाईं ग्राम विकास एवं सेवा संस्थान के द्वारा किया जाएगा। फलों से होने वाली आय गौशाला तथा गांव के लिए उपयोग में आएगी। इस दौरान वेद वाईस चेयरमैन सूर्या फाउंडेशन, युवा सरपंच जसवंतसिंह भाटी, प्रमोद आसरे, ग्राम एचआर इन्चार्ज सूर्या फाउण्डेशन बाबूलाल सिंघवी वार्ड पंच, मोहनराम गर्ग, वार्ड पंच योगी नथुनाथ, अध्यक्ष गोसाईं ग्राम विकास एवं सेवा संस्थान, हरिसिंह भाटी, किशोरकुमार सांखला, गणेश सोनी, कानसिंह पंवार, सूरज सैन सहित अनेक गणमान्य बन्धु उपस्थित रहे।

महिलाओं ने लगाए खुद के बनाए उत्पाद के स्टॉल

संवाद न्यूज एजेंसी

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अन्तर्गत समग्र ग्राम विकास की परिकल्पना की दिशा में कार्यरत है, गांव के विकास में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का समावेश होना बहुत जरूरी है। इसी उद्देश्य से सूर्या परिसर में महिलाओं के एक स्वयं सहायता समूह ने घरेलू उपयोग की वस्तुओं की स्टॉल लगाई।

फाउंडेशन महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें मार्केटिंग के लिए प्रेरित कर रहा है इसके लिए सार्वजनिक स्थानों पर स्टॉल लगाना, छोटी छोटी दुकानों में संपर्क करना, बड़े व्यापारियों को सैंपल दिखाना आदि कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आदर्श गांव नयागांव में संचालित स्वयं सहायता समूह की मातृशक्तियों द्वारा निर्मित उत्पादों जैसे अनेक प्रकार के अचार, विभिन्न प्रकार के साबुन, जूट के थैले, महिलाओं के, पुरुषों के लोवर और पायजामा आदि सामानों के प्रचार प्रसार हेतु दो दिवसीय स्टॉल लगाया गया सूर्या रोशनी प्लांट बहादुरगढ़ में कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों को उचित मूल्य में उत्पाद देकर उत्पाद के बारे में जानकारी दी गई। सभी लोगों ने महिलाओं द्वारा किए जा रहे इस कार्य की खूब प्रशंसा की एवं भविष्य में भी इस प्रकार की प्रदर्शनी समय समय पर प्लांट में लगाते रहे इसका आग्रह भी किया। नयागांव की महिलाओं को प्रेरणा देने वाली प्रेमलता ने प्रदर्शनी में पूरा समय लगाकर उत्पादों के बारे में सभी को जानकारी दी और समूह द्वारा बनाई हुई वस्तुओं की बिक्री भी किया। इस मौके पर सूर्या प्लांट से संजय मौजूद रहे।